DoIT
सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग

राजस्थान सरकार
सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग

क्रमांक :–एफ.2(5946) /डी.ओ.आई. टी./संस्था/ 14/03344)2020 जयपुर, दिनांक : 11.02.2020

अनापत्ति प्रमाण पत्र

राजस्थान कम्प्यूटर राज्य एवं अधीनस्थ सेवा के अन्तर्गत कार्यरत निम्नलिखित सूचना सहायकों ने उनके नाम के सम्मुख अंकित निम्नलिखित अग्रिम अध्ययन परीक्षाओं में **पत्राचार/स्वंयपाठी** माध्यम से सम्मिलित होने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किये जाने का प्रार्थना पत्र प्रेषित किया है:–

क्र. स.	मेरिट न./रोल न.	सूचना सहायक का नाम श्री/श्रीमती/सुश्री	पदस्थापित कार्यालय का नाम	परीक्षा का नाम	विश्वविद्यालय/संस्था का नाम
1	4163	चंचल सोनगरा, सूचना सहायक	कार्यालय उपायुक्त प्रवर्तन परिवहन विभाग, जोधपुर	M.C.A 2ND YEAR(2019-20)	जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर
2	663	अरविन्द कुमार जांगिड, सूचना सहायक	कार्यालय सहायक निदेशक कृषि (विस्तार), चिडावा, झुन्झुनू	M.C.A.(2019-20)	जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर
3	216881	श्रीमती चन्द्रकला जांगिड	कार्यालय उप वन संरक्षक झालावाड	M.C.A (2019-20)	जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर

उक्त परीक्षाओं में पत्राचार विधार्थी के रूप में सम्मिलित होने की अनुमति उपर्युक्त कार्मिकों को राजस्थान सिविल सेवाऐं (आचरण) नियम, 1971 के नियम–17 की निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन प्रदान की जाती है:–

1. शिक्षण संस्थान में अध्ययन का समय यदि कार्यालय समय के समान ही हो तो अध्ययन स्वीकृति स्वतः ही समाप्त मानी जाएगी।
2. राजसेवक का पदस्थापन अध्ययन स्वीकृति संस्थान के मुख्यालय से परिवर्तन/स्थानान्तरित हो जाता है तो अध्ययन स्वीकृति स्वतः ही समाप्त हो जायेगी।
3. प्रत्येक वर्ष के लिये अलग अलग अनुमति लेनी आवश्यक होगी।
4. विभाग की पूर्वानुमति प्राप्त किये बगैर अध्ययन चालू रखने एवं परीक्षा में सम्मिलित होने वाले कर्मचारियों के विरूद्व नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
5. जिन कर्मचारियों को इस वर्ष उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु अथवा अध्ययन जारी रखने एवं परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति दी जायेगी उन्हे परीक्षा दिवसों के अतिरिक्त अन्य कोई अवकाश स्वीकृत नही किया जायेगा।
6. अध्ययन स्वीकृति दिये जाने से अधिकारी/कर्मचारी को किसी स्थान विशेष पर पदस्थापन निरन्तर रखने का अधिकारी नहीं मिल पायेगा और उसका स्थानान्तरण किया जा सकता है।
7. अध्ययन से राजसेवक दैनिक राजकीय कार्य सम्पादन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं करेगा, अन्यथा स्वीकृति समाप्त कर दी जाएगी।
8. अध्ययन वर्ष मे अधिकारी/कर्मचारी की उपस्थिति का प्रतिशत कम होने के लिये सरकार/विभाग किसी प्रकार से जिम्मेदार नही होगा।
9. परीक्षा की तैयारी हेतु किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
10. प्रशासनिक कारणोवश अध्ययन स्वीकृति बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।
11. इस अनापत्ति प्रमाण पत्र से अभ्यर्थी द्वारा किए जा रहे अध्ययन के पाठ्यक्रम या विश्वविद्यालय की मान्यता या गैर–मान्यता के संबंध में इस विभाग की स्वीकृति नहीं मानी जायेगी।
12. उक्त शर्तो की अवहेलना करने या पाई जाने पर कार्मिक/कार्मिका के विरूद्व कार्मिक विभाग के परिपत्र कमांक प. 9(5)(9)/कार्मिक/क–3/2001 दिनांक 16 मई 2002 के अनुसार वृहत शास्ति हेतु अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल मे लाई जायेगी।

(विवेक कुमार)
विशेषाधिकारी (यूआईडी) एवं प्रभारी अधिकारी
संस्थापन (अराजपत्रित)

प्रतिलिपि:– निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित है :–

1. संबंधित विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष............................।
2. संबंधित कार्मिक..।
3. प्रभारी अधिकारी, वैबसाइट, सू. प्रौ. और संचार विभाग, मुख्यालय, जयपुर।
4. निजी पत्रावली/रक्षित पत्रावली।

विशेषाधिकारी (यूआईडी) एवं प्रभारी अधिकारी
संस्थापन (अराजपत्रित)